मुझे यह कैसे पता चलेगा कि कौनसे विशेष विषय 'स्वास्थ्य और व्यवसायिक शिक्षा' (हैल्थ एंड करिअर एजुकेशन: एच सी ई) में सिखाये जाते हैं ?

अध्यापकों को अनिवार्य होता है कि वे इस पाठ्यक्रम के सभी भाग पढ़ाएँ और आम तौर पर माता पिता को इसमें शामिल विषयों की जानकारी दें। इसे एक कक्षा पत्र द्वारा, या माता पिता शिक्षक भेंट के समय दिया जा सकता है।

यदि आपको स्वास्थ्य और व्यवसायिक शिक्षा के बारे में जानकारी नहीं मिली है, और आप अधिक जानना चाहते हैं, तो आप अपने बच्चे के अध्यापक से संपर्क कर सकते हैं।

बी. सी. शिक्षा मंत्रालय यह मानता है कि कुछ माता पिता इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुछ विषयों को घर पर पढ़ाने में अधिक सुविधा महसूस कर सकते हैं।

ऐसा होने पर माता पिता अपने बच्चे को स्वास्थ्य और व्यवसायिक शिक्षा के कुछ विशेष पाठों और गतिविधियों से अनुपस्थित रहने का निवेदन कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए, माता पिता को वैकल्पिक प्रबंध करने और उनके बारे में स्कूल स्टाफ से बात करने की जरूरत है।

जिन छात्रों को किसी वैकल्पिक तरीके से एच सी ई के विषयों को सिखाया गया है उन्हें इन विषयों में अपने ज्ञानअर्जन का प्रदर्शन करना आवश्यक है।

अध्यापकों के लिए वर्ष में कम से कम एक बार आपके बच्चे के रिपोर्ट कार्ड में एच सी ई पर रिपोर्ट करना आवश्यक होता है।

VSB

“Health and Career Education Primaryò

[Hindi]

यह ब्रोशर वैनकूवर स्कूल बोर्ड के सैटलमेंट वर्कर्ज़ (VSB SWIS) द्वारा प्रायोजित किये गए कई ब्रोशरों में एक है। इसकी रचना कुछ ई.एस.एल. (ESL/ELL) शिक्षकों तथा वैनकूवर स्कूल बोर्ड के मल्टीकल्चरल लिएजों वर्कर्ज़ (VSB MCLW) ने की है।

Canada — British Columbia — WelcomeBC

यह ब्रोशर कनाडा और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत की सरकार से धन के माध्यम से संभव बनाया गया है।

स्वास्थ्य और व्यवसायिक शिक्षा

किंडर-गार्टन से कक्षा 3 तक

स्वास्थ्य और व्यवसायिक शिक्षा (एच सी ई) क्या है?

एच सी ई किंडर-गार्टन से कक्षा 3 तक सभी छात्रों के लिए प्रांत के द्वारा निर्धारित एक पाठ्यक्रम है। यह छात्रों को प्रारम्भिक ज्ञान, योग्यता और व्यवहार-कुशलता प्रदान करता है ताकि उन्हें समझ-बूझ कर निर्णय लेने और सुरक्षित और स्वस्थ चीज़ों का चुनाव करने वाला बनने में मदद मिल सके।

स्वास्थ्य और व्यवसायिक शिक्षा (एच सी ई) में क्या पढ़ाया जाता है?

एच सी ई किंडर-गार्टन से कक्षा 3 तक निम्नलिखित क्षेत्रों को अहमियत देता है।

लक्ष्य और निर्णय बनाना

- लक्ष्यों को निर्धारित करना और उनको पूरा करने की योजना बनाना।
- यह सीखना कि निर्णय बनाने के लिए घर और स्कूल में कहाँ से सहायता ली जा सकती है।

जीविका सम्बन्धी विकास

- व्यक्तिगत रुझान और रुचियों को टटोलना।
- काम करने की अच्छी आदतों का विकास करना।
- यह पता लगाना कि घर और स्कूल में उनकी क्या-क्या व्यक्तिगत जिम्मेदारियाँ हैं।

स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन

- स्वस्थ भोजन खाने की आदतें सीखना।
- ज़ुकाम और फ्लू जैसे रोगों का प्रसार रोकने के तरीके सीखना।
- शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य की समझ प्राप्त करना।

स्वस्थ संबंध

- सकारात्मक संवाद और भावनाओं को व्यक्त करना सीखना।
- अच्छी दोस्ती और रिश्तों के बारे में जानना और उनको बनाए रखना।
- डराने-धमकाने की प्रवृति को समझना और उसके परिणाम जानना।

सुरक्षित रहना और क्षति से रोकथाम

- नर और मादा शरीर के अंगों के सही नाम जानना।
- उचित और अनुचित छूने का फर्क समझना।
- यह सीखना कि संभावित अपमानजनक स्थितियों से कैसे बचें और / या उनका कैसे जवाब दें।
- घर, स्कूल और समाज में सुरक्षा के बारे में सीखना।
- यह सीखना शुरू करना कि खतरों और आपात काल की स्थिति में क्या करना ठीक होता है।

मादक पदार्थों का सेवन और रोकथाम

- असुरक्षित पदार्थों की पहचान करना, उनसे बचना और / या अस्वीकार करना सीखना शुरू करना।

इन बातों को स्कूल में क्यों सिखाया जाता है?

बी.सी. शिक्षा मंत्रालय बच्चे को सम्पूर्ण रूप से शिक्षित करने में विश्वास रखता है। इसमें सामाजिक, भावनात्मक, बौद्धिक, कलात्मक और शारीरिक विकास के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व भी शामिल है। मंत्रालय विश्वास करता है कि एच सी ई छात्रों की निम्न लिखित रूप से सहायता करेगी:

- आजीवन सुख-शांति बनाए रखने के लिए योग्यताओं और रुझानों को विकसित करना; और
- सफलता पूर्वक इस जटिल संसार में जीवन यापन करना जिसमें वे बड़े हो रहे हैं।